

➤ बहुविकल्पीय प्रश्न

1. प्रस्तुत पाठ में नीति से संबंधित दोहे किस कवि के हैं?

उत्तर (ख) रहीम

2. रहीम कितना पाँव फैलाने को कहते हैं?

उत्तर (क) जितनी लंबी चादर हो

3. रहीम किस पानी के रखने की बात करते हैं ?

उत्तर (क) स्वाभिमान

4. रहीम सच्चा मित्र किसे मानते हैं?

उत्तर (ख) जो विपत्ति में साथ दें

5. उत्तम प्रकृति के लोगों को कौन बुरा बना सकता है?

उत्तर (घ) कोई नहीं

6. रहीम अपनी व्यवस्था दूसरों को बताने से क्यों रोकते हैं?

उत्तर (घ) (ख) और (ग) दोनों

(ख) लोग सुनकर हँसेंगे

(ग) कोई बाँट नहीं सकता है

7. रहीम के अनुसार प्रेम का धागा क्यों नहीं तोड़ना चाहिए?

उत्तर (घ) (ख) और (ग) दोनों

(ख) संबंध दोबारा बनता है तो गांठ पड़ जाती है

(ग) प्रेम टूटकर दोबारा नहीं हो पाता

प्रश्न (ख) लिखित प्रश्न :

1. अपनी आवश्यकता से अधिक धन प्राप्त करने के लिए कार्य क्यों नहीं करना चाहिए?

उत्तर : आवश्यकता से अधिक धन प्राप्त करने के लिए कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे हमारे दुख और मुसीबतें बढ़ जाती हैं।

2. पानी शब्द के कौन-कौन से अर्थ का प्रयोग किया गया है ? उदाहरण सहित समझाओ।

उत्तर : पानी शब्द का प्रयोग मोती, मनुष्य और आटे के लिए किया गया है। पानी के अभाव में इन तीनों का जीवन निरर्थक है। मोती पर चमक नहीं आती, मनुष्य का सम्मान चला जाता है तथा पानी के बिना आटा गुँथता नहीं है।

3. सच्चे मित्र की परीक्षा कब और कैसे होती है?

उत्तर : सच्चे मित्र की परीक्षा विपत्ति के समय होती है। विपत्ति की घड़ी में जो मित्र मदद करता है वही सच्चा मित्र होता है।

4. प्रेम का संबंध क्यों नहीं तोड़ना चाहिए ?

उत्तर : प्रेम का संबंध एक बार टूटने पर दोबारा नहीं जुड़ता। यदि दोबारा जोड़ेंगे तो उसमें गांठ पड़ जाती है।

5. अपना दुख दूसरों को क्यों नहीं बताना चाहिए?

उत्तर : अपना दुख दूसरों को बताने से लोग दुख बाँटते नहीं बल्कि हंसी उड़ाते हैं।

**प्रश्न (ग) नीचे दिए गए दोहों का अर्थ स्पष्ट करो :**

1) रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।

पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष चून।।

अर्थ— रहीम दास कहते हैं कि जीवन में पानी का बहुत महत्व है। पानी के बिना सब कुछ सूना है। पानी के अभाव में मोती, मनुष्य और आटा नहीं उभरता। मोती पर चमक नहीं आती, मनुष्य को सम्मान नहीं मिलता तथा आटा गुँथता नहीं है।

2) रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।

जहां काम आवै सुई, कहा करै तरवारि ।।

अर्थ – रहीम जी कहते हैं कि बड़ी चीज देखकर छोटी चीज फेंकनी नहीं चाहिए क्योंकि सुई से हम युद्ध नहीं लड़ सकते और तलवार से कपड़े नहीं सिल सकते। दोनों चीजों का अपनी-अपनी जगह महत्व है।

**प्रश्न (घ) नीचे दिए गए नीति वचनों को स्पष्ट करने के लिए रहीम ने क्या उदाहरण दिए हैं?**

1. हमें आवश्यकता के अनुसार ही कार्य करना चाहिए।

उत्तर - अपनी पहुंच विचारि कै, करतब करिए दौर।

तेते पाँव पसारिए, जेती लांबी सौर।

2. उत्तम स्वभाव वाले व्यक्ति का कुसंगति कुछ नहीं कर सकती।

उत्तर- जो रहीम उत्तम प्रकृति , का करि सकत कुसंग।

चंदन विष व्यापत नहीं , लिपटे रहत भुजंग।

3. रूठे हुए स्वजन व्यक्ति को बार-बार मनाना चाहिए।

उत्तर - टूटे सुजन मनाइए , जो टूटे सौ बार।

रहिमन फिर-फिर पोइए , टूटे मुक्ताहार।

4. प्रेम- संबंध को अचानक तोड़ नहीं देना चाहिए।

उत्तर - रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।

तोड़े से फिर ना जरै,जरै गाँठ पड़ जाए।

5. सज्जन व्यक्ति परोपकार के लिए धन एकत्र करते हैं।

उत्तर- तरुवर फल नहीं खात है, सरवर पियत न पानि।

कहि रहीम पर काज हित, संपति सँचहि सुजानि।

### भाषा बोधन

(क) रहीम ने अपने दोहों में एक शब्द को अनेक अर्थों के लिए प्रयुक्त किया है।

उदाहरण : 'पानी' शब्द के अर्थ हैं—

इज्जत , चमक और जल।

नीचे दिए गए शब्दों के दो दो अर्थ लिखो –

1. हरा : हरा रंग , प्रसन्नचित
2. हार : गले का हार , पराजय
3. कर्ण : कान , नाव की पतवार
4. द्विज : दाँत, चंद्रमा
5. पद : ओहदा , पैर
6. भाग : हिस्सा, भाग्य
7. मुद्रा : सिक्का , मुख के हाव-भाव
8. राग : प्रीति , विशिष्ट लय-युक्त ध्वनि